घर के अंदर मिला अधेड़ का शव,हत्या की आशंका

पश्चिम शरीरा,कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के दानपुर गांव में रविवार दोपहर को एक ५५ वर्षीय अधेड़ का शव घर के अंदर जमीन पर पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान किरतानी पाल पुत्र कल्लू पाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर किया है।



अधेड़ का शव मिलने के बाद जांच करती पुलिस ।

जानकारी के अनुसार, किरतानी पाल गांव में अपनी मां के साथ रहता था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे प्रयागराज में रहते हैं। रविवार को पड़ोसियों की नजर घर के अंदर जमीन पर पड़े किरतानी पाल पर पड़ी। पास जाकर देखने पर उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पश्चिम शरीरा थाना प्रभारी बैकुण्ठ नाथ पाण्डेय पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधेड़ की मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हत्या या आत्महत्या समेत मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

चोर ने गंगा स्नान करने गये युवक की बाइक किया पार

चायल,कौशाम्बी। पूरामुफ्ती थानाक्षेत्र के फतेहपुर घाट गंगा स्नान करने गये युवक की बाइक चोर ने पार कर दी। लौटने के बाद वहां बाइक न देख युवक के होश उड़ गये। उसने बाइक की काफी खोजबीन की।कहीं सुराग न लगने से निराश होकर भुक्तभोगी ने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस चोर के सुराग में जुट गई है।

पिपरी क्षेत्र के गेरिया खालसा गांव निवासी पिंटू पुत्र केदार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसके अनुसार रविवार की सुबह वह बाइक से पूरामुफ्ती के फतेहपुर घाट गांव स्थित गंगा नदी में स्नान करने गया था। वह नदी के घाट के समीप अपनी बाइक खड़ी करके स्नान करने चला गया। इसी दौरान किसी ने उसकी बाइक को पार कर दिया। कुछ देर के बाद वापस लौटने पर वहां से बाइक नदारद देख उसके होश उड़ गए। उसने बाइक की काफी खोजबीन की। सुराग न लगने से निराश होकर भुक्तभोगी ने थाने जाकर बाइक चोरी की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस चोर के सुराग में जुट गई है।

नियमों के उल्लंघन पर ३०७ वाहनों का ई-चालान

कौशाम्बी। सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिले में पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उलंघन करने वाले ३०७ वाहनों का ई-चालान किया गया। डीएसपी ट्रैफिक भैया संतोष कुमार ने बताया कि विभिन्न थानों और यातायात पुलिस टीमों ने प्रमुख मार्गों, चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर वाहनों की जांच की। चालकों को मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाने की हिदायत दी गई। स्कूल वाहनों की भी सघन जांच कर निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। इंटरसेप्टर स्पीड रडार गन से ओवरस्पीड, नंबर प्लेट, हेलमेट एवं सीट बेल्ट की जांच की गई। वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा में चलने, मोबाइल का प्रयोग न करने और नशे में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया, और वाहनों की जांच किया गया।

११० खोये हुए मोबाइल बरामद, कीमत २४ लाख



खोये मोबाइलों को बरामदगी के बाद स्वामी को सौंपते एसपी ।

कौशाम्बी। जिले की पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से अलग-अलग कंपनियों के ११० खोए अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब २४ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बरामद मोबाइल पहचान करने के बाद उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए।

पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से अलग-अलग कंपनियों के ११० खोए अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब २४ लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने बरामद मोबाइल पहचान करने के बाद उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि मोबाइल फोन खोने अथवा चोरी होने के संबंध में जिले के विभिन्न थानों में मिली शिकायतों पर कार्रवाई की गई। थाना पुलिस, कंप्यूटर ऑपरेटर और सीसीटीएनएस टीम ने सर्विलांस तथा मैनुअल इनपुट के आधार पर तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसके बाद मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद किया गया। बरामदगी में पश्चिम शरीरा थाना २१ मोबाइल के साथ सबसे आगे रहा। सैनी पुलिस ने १६ मोबाइल बरामद किए, जबकि मंझनपुर और सरायअकिल थानों की पुलिस ने १३-१३ मोबाइल खोजे। एसपी के मुताबिक, सीईआईआर यानी सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने में मदद करता है। मोबाइल खोने पर लोग स्वयं भी प्ूे://मगी,दन.गह पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं। थानों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर भी पोर्टल पर जानकारी दर्ज कर मोबाइल की तलाश की जाती है। देश के किसी भी हिस्से में मोबाइल मिलने पर संबंधित पुलिस के समन्वय से उसे बरामद कर स्वामी को सौंपा जाता है।

दुर्गा पूजा पण्डाल जा रहे युवक को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

चायल,कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के उजिहिनी आईमा गोदाम गांव में रविवार शाम करीब ४:०० बजे दुर्गा पूजा पंडाल देखने जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

उजिहिनी आईमा निवासी लवकुश कुमार (पुत्र स्व. चंदूलाल) रविवार शाम लगभग ४ बजे अपने ही गांव स्थित दुर्गा पूजा स्थल की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह पूजा स्थल के समीप पहुंचे तभी उजिहिनी गंगा घाट की तरफ से आ रहे एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लवकुश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद अज्ञात बाइक चालक मौके से बाइक लेकर भागने में सफल रहा। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग और पीडित के परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल लवकुश को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद घायल के बड़े भाई छोटेलाल ने संदीपन घाट थाना प्रभारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर मामला दर्ज करने और अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस के सामने नायब तहसीलदार एवं लेखपालों से धक्का-मुक्की

कौशाम्बी। अवैध निर्माण ढहवाने पइंसा थाना क्षेत्र के अफजलपुर वारी गांव गई राजस्व टीम के साथ पुलिस के सामने कब्जेदारों ने धक्का-मुक्की की। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मर-मिटने की धमकी भी दी। पीडितों में नायब तहसीलदार भी शामिल हैं। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हलका लेखपाल सुरेश सिंह ने बताया कि अफजलपुर वारी गांव में (नवीन परती) सरकारी भूमि खाली पड़ी हुई थी। इसमें गांव के ही बदल अहमद व उसके परिजनों ने कब्जा कर लिया था। आरोपी निर्माण करा रहे थे। गांव के गंगा प्रसाद उर्फ पुजारी सोनकर ने इसकी शिकायत एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव से की थी। उनके आदेश पर पैमाइश के बाद सात अक्तूबर को आरोपियों को कब्जा हटाने का नोटिस दिया गया। कब्जा नहीं हटाने पर नौ अक्तूबर की शाम नायब तहसीलदार सिराथू विनय सिंह, हलका लेखपाल सुरेश सिंह, अन्य लेखपाल कृष्ण देव त्रिपाठी व यतेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ कब्जा हटवाने पहुंच गए। इल्जाम है कि कब्जेदार बदल अहमद, उसके पुत्र नबी, परिवार के शोएब, रजा व शोएब पुत्र जुबैर एवं अन्य महिलाओं-पुरुषों ने टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। जान से मार डालने की धमकी दी। हंगामा बढ़ता देख टीम को बैरंग लौटना पड़ा।

चायल की छः कबड्डी खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

सराय अकिल, कौशाम्बी। सराय अकिल के आदर्श इंटर कॉलेज में सात अक्तूबर को आयोजित मंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चायल की छह खिलाडियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इससे विद्यालय में खुशी का माहौल है। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज की छह छात्राओं ने अपने खेल कौशल के दम पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई है। चयनित खिलाडियों में कक्षा १२ की मानसी, कक्षा ११ की समीक्षा दिवाकर, कक्षा १० की किरन, कक्षा नौ की नैंसी साहू, कक्षा आठ की मुस्कान और कक्षा सात की पूनम शामिल हैं। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रयागराज की टीम ने प्रथम, कौशाम्बी ने द्वितीय, प्रतापगढ़ ने तृतीय और फतेहपुर की टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया था। चयनित खिलाड़ी १२ से १५ अक्तूबर तक गोरखपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। इस मौके पर संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज, जिला विद्यालय निरीक्षक, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा और टीम कोच विनोद यादव मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय भागवत कथा की शुरुआत

कौशाम्बी। सरसावां ब्लाक के अंधावां गांव स्थित अनदेश्वरी देवी पूजा पंडाल में कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद कथा व्यास शुभम पांडेय ने पहले दिन की कथा सुनाई और श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान की भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कहा कि किसी भी प्राणी के जीवन को भक्ति का मार्ग ही सार्थक बना सकता है। व्यक्ति को अच्छे कर्म करने के साथ-साथ भगवान का स्मरण करना चाहिए। इससे पृथ्वी व स्वर्ग दोनो लोकों में प्राणी को उच्च स्थान मिलता है। कथा के दौरान पंडाल में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्म लाभ लिया।

ससुराल आया युवक संदिग्ध परिस्थिति में लापता,शिकायत

महगांव,कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज कस्बे से तीन दिन पहले अपनी ससुराल आए एक युवक के अचानक लापता होने से परिजनों में कोहराम मच गया है। काफी तलाश के बाद भी युवक का कोई सुराग न मिलने पर शनिवार शाम परिजनों ने संदीपन घाट थाने में लिखित शिकायती पत्र देकर उसकी बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर मिलते ही मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

कोखराज थाना क्षेत्र के अलीगंज निवासी आफरीन फाजिल सिद्दीकी करीब एक सप्ताह पूर्व अपने मायके मूरतगंज आई हुई थी। इसी बीच गत तीन दिन पहले उसके पति फाजिल अहमद उर्फ फज्जू पुत्र नसीम अहमद अपनी पत्नी से मिलने मूरतगंज ससुराल आए थे। परिजनों के मुताबिक ससुराल में पत्नी से मुलाकात के बाद फाजिल शाम को यह कहकर अपने घर वापस निकले थे कि वह अब अलीगंज स्थित अपने घर जा रहे हैं। हालांकि, देर रात तक जब वह अपने घर नहीं पहुंचे तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। युवक के घर न पहुंचने पर परिजनों और रिश्तेदारों ने संभावित ठिकानों पर उसकी काफी खोजबीन की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चल सका। अनहोनी की आशंका से सहमे परिजनों ने शनिवार शाम संदीपन घाट थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए संदीपन घाट थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर युवक की तलाश के लिए जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। इस घटना के बाद से पत्नी आफरीन और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मोबाइल से खाते से पार किये चार लाख रुपये, तीन के खिलाफ एफआईआर

करारी,कौशाम्बी। मोबाइल से बैंक खाते में सेंध लगाकर मजदूर की चार लाख रुपये की रकम निकालने का मामला सामने आया है। पीडित ने बेटी की शादी के लिए वर्षों की मेहनत से रकम जमा की थी। मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की गई है।

करारी कोतवाली क्षेत्र के घमसिरा गांव निवासी बचऊ लाल के मुताबिक, वह मजदूरी करता है और फरवरी में बिहार के एक ईंट-भट्ठे पर काम करने गया था। वहां कौशाम्बी के कुछ मजदूरों से उसकी जान-पहचान हुई। आरोप है कि साथ रहने वाले लोग अक्सर उसका मोबाइल यूट्यूब देखने के लिए लेते थे। पीडित पढ़ा-लिखा नहीं है। उसने मोबाइल के पीछे आधार और बैंक खाते से संबंधित जानकारी लिख रखी थी। आरोप है कि २७ मार्च से २० जून २०२६ के बीच अलग-अलग तारीखों में उसके मोबाइल के जरिये खाते से चार लाख रुपये दूसरे खातों में स्थानांतरित कर लिए गए। जुलाई में घर लौटकर बैंक से रुपये निकालने पहुंचा तो खाते से रकम गायब होने की जानकारी हुई। पीडित के अनुसार, यह रकम उसने बेटी की शादी के लिए जमा की थी। बचऊ लाल ने २४ अगस्त को चरवा थाने में शिकायत की थी। कार्रवाई नहीं होने पर उसने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई। इसके बाद नौ अक्तूबर को अभियोग पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने संतोष कुमार पासी, गोविंद और रामजाने पासवान के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दंपती को अश्लील मैसेज भेज रहा सिरफिरा, केस दर्ज

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र की एक महिला व उसके पति को सिरफिरा अश्लील मैसेज भेज रहा है। पीडिता की इंस्टा आईडी से भी आरोपी आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करता है। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कोखराज इलाके की महिला ने बताया कि उसकी सगाई वर्ष २०२५ में सैनी के फतैयापुर निवासी रुद्र देव सिंह उर्फ भोला पुत्र रामचंद्र से हुई थी। सगाई के बाद दोनों फोन पर बातचीत करने लगे। आरोप है कि इस दौरान युवक महिला के साथ गाली-गलौज करने लगा। दहेज की भी मांग करने लगा। परेशान होकर उसने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिवार वालों ने उसका विवाह गांव के ही एक युवक से करा दिया। इल्जाम है कि अब आरोपी रुद्र पीडिता तथा उसके पति को इंस्टा से आपत्तिजनक मैसेज भेजता है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी में पैगंबर की तालीमात पर अमल करने का दिया संदेश

चायल,कौशाम्बी। क्षेत्र के मनौरी गांव में शनिवार रात जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का आयोजन किया गया। जलसे में उलेमाओं ने पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा की सीरत और अहलेबैत के फजाइल बयान कर लोगों को उनकी शिक्षाओं पर अमल करने का संदेश दिया। वहीं, नातख्वानों के कलाम से पूरी महफिल रूहानी माहौल में डूब गई।

जलसे की शुरुआत कुरान पाक की तिलावत से हुई। इसके बाद मुफ्ती अहमद अदीब मिस्बाही ने हजरत मोहम्मद मुस्तफा की सीरत बयान करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि पैगंबर की तालीमात इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और नेक अमल का पैगाम देती हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में अमन और आपसी सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। इसके बाद शहर काजी मौलाना अहमद हबीब मिस्बाही ने अहलेबैत के फजाइल बयान किए। उन्होंने अहलेबैत से मोहब्बत रखने और उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने पर जोर दिया। उनके बयान को अकीदतमंदों ने ध्यानपूर्वक सुना। जलसे में बनारस से आए नातख्वान जीशान और सरताज रजा ने अपने कलाम पेश किए। वहीं नातख्वान अमीर खुसरो, हाशिम और शायर अफजल निजामी ने भी खूबसूरत अंदाज में नातख्वानी कर समां बांध दिया। नबी-ए-पाक की शान में पेश किये गए कलाम से महफिल देर रात तक गुलजार रही। अकीदतमंदों ने अदब और एहतराम के साथ जलसे में शिरकत की।

मुकुट पूजन के साथ शुरू हुई शहजादपुर की ऐतिहासिक रामलीला

टेढ़ीमोड़,कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के शहजादपुर गांव में रविवार को विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुकुट पूजन के साथ २५३वें रामलीला महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर भगवान श्रीराम के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। रामलीला के शुभारंभ से गांव सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला संयोजक समर उपाध्याय ने विधि-विधान से मुकुट पूजन किया। पूजन संपन्न होने के साथ ही रामलीला मंचन की औपचारिक शुरुआत हो गई। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम में सहभागिता की। रामलीला महोत्सव को लेकर क्षेत्रीय लोगों में खासा उत्साह नजर आया। शहजादपुर की रामलीला वर्षों पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष रामायण के विभिन्न प्रसंगों के मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

ताड़का और मारीच-सुबाहु वध का हुआ भव्य मंचन
श्रीराम के बाण चलाते ही गूंजा जय श्रीराम का जयघोष

कौशाम्बी। मंझनपुर मुख्यालय में हिन्दू धर्म सभा श्रीरामलीला कमेटी के तत्वावधान में शनिवार की रात रामलीला के तीसरे दिन भगवान श्रीराम की लीलाओं का भव्य मंचन किया गया। इस दौरान ताड़का वध तथा मारीच-सुबाहु वध के प्रसंगों का मंचन देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भगवान श्रीराम के बाण चलाते ही ताड़का का अंत हुआ तो पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।



रामलीला में मंचन करते कलाकार ।

मुख्यालय की शनिवार की रामलीला मंचन में दिखाया गया कि भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के बड़े होने के बाद अयोध्या में महर्षि विश्वामित्र का आगमन होता है। राजा दशरथ उनका स्वागत-सत्कार करते हैं। महर्षि विश्वामित्र बताते हैं कि वन में उनके यज्ञ के दौरान राक्षस बार-बार विघ्न डालते हैं। यज्ञ की रक्षा के लिए वे राजा दशरथ से श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ भेजने का आग्रह करते हैं। यह सुनकर राजा दशरथ चिंतित हो जाते हैं और श्रीराम-लक्ष्मण को भेजने से इनकार करते हुए अपनी सेना भेजने की बात कहते हैं। इस पर गुरु वशिष्ठ राजा दशरथ को समझाते हैं और महर्षि विश्वामित्र के साथ श्रीराम-लक्ष्मण को भेजने के लिए राजी करते हैं। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन में ले जाते हैं। वन में ताड़का नामक राक्षसी ऋषियों के यज्ञ और तपस्या में बाधा उत्पन्न करती है। धर्म की रक्षा और यज्ञ को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए भगवान श्रीराम ताड़का का वध करते हैं। ताड़का के वध का मंचन होते ही दर्शकों ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ भगवान श्रीराम का अभिनंदन किया। वहीं आगे मुनि विश्वामित्र के आश्रम में चल रहे यज्ञ को नष्ट करने के लिए मारीच और सुबाहु पहुंचते हैं। यज्ञ की रक्षा के लिए श्रीराम और लक्ष्मण मोर्चा संभालते हैं। दोनों पक्षों के बीच हुए भीषण युद्ध के बाद भगवान श्रीराम और लक्ष्मण मारीच-सुबाहु का वध कर यज्ञ की रक्षा करते हैं। मंचन ने श्रद्धालुओं को धर्म की विजय और अधर्म के विनाश का संदेश दिया। रामलीला देखने के लिए मंझनपुर सहित आसपास के गांवों से सैकड़ों की तादाद में श्रद्धालु एवं दर्शक पहुंचे। देर रात तक रामलीला मैदान में भक्तिमय वातावरण बना रहा।इस अवसर पर श्रीरामलीला कमेटी के अध्यक्ष आशीष केशरवानी उर्फ बच्चाभाई, महामंत्री पंकज गामा, पंकज शर्मा,उपाध्यक्ष ज्ञानचन्द्र गुप्ता, सुशील श्रीवास्तव, रिंकू केसरवानी, संगठन मंत्री झल्लर चौरसिया, मंत्री सुनील श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सोनालाल,अजय वर्मा, सुशील केसरवानी, संदीप केसरवानी सहित नगर के संभ्रांत नागरिक मुकुन्दी, चाटू भाई समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने की मां शैलपुत्री स्वरूप की पूजा



देवी की पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

करारी,कड़ा,कौशाम्बी।मां आदिशक्ति की आराधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू हो गया। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जिलेभर में ११११० पूजा पंडालों सहित घरों में कलश स्थापना के साथ मां भगवती की आराधना शुरू हुई। वैदिक मंत्रोच्चार और मां के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। नवरात्र के पहले दिन घरों में भक्तों ने शुभ मुहूर्त में कलश स्थापित कर नौ दिवसीय व्रत का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तशती का पाठ कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित होने के साथ ही धार्मिक आयोजनों की शुरुआत हो गई। प्रतिमा स्थापना के दौरान श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते रहे।

करारी नगर पंचायत कार्यालय परिसर, रामलीला मैदान और सोनारन टोला, अशोक नगर मोहल्ले व प्रमुख चौराहा के समीप वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। कस्बे के नवग्रह मंदिर, भैला मकदूमपुर स्थित दुर्गा मंदिर और अगिऔना के मां शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। इसके अलावा सचवारा स्थित मां अलोप शंकरी मंदिर और अंबारी गांव के देवी मंदिर में भी भक्तों की आवाजाही रही। नवरात्र को लेकर मंदिरों और पूजा पंडालों में विशेष सजावट की गई है। पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना के साथ ही कस्बे से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भक्ति का माहौल दिखाई दिया। श्रद्धालु अगले नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे।

५१ शक्तिपीठों में एक शक्तिपीठ कड़ा धाम में रविवार को नवरात्रि के प्रथम दिन श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ देखेगी सुबह से ही कड़ा धाम के विभिन्न घाटो- कुबरी घाट, कालेश्वर घाट,हनुमान घाट आदि घाटों पर श्रद्धालु भक्त स्नान करके हाथों में नारियल चुनरी लेकर धाम पहुंचे और लाइनों में लगकर मां के दर्शन करते रहे। नवरात्रि के प्रथम दिन नौ देवियों में प्रथम शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की जाती है पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पूर्व जन्म में शैलपुत्री का नाम सती था और यह भगवान शिव की पत्नी थी के पिता दक्ष प्रजापति ने भगवान शिव का अपमान कर दिया था अगले जन्म में यही सती शैलपुत्री स्वरूप में प्रकट हुई और भगवान शिव से इनका विवाह हुआ नवरात्रि में मां शैल पुत्री की पूजा करने से जीवन के समस्त क्लेश और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है मां को पान के एक पत्ते पर लौंग सुपारी मिश्री रखकर मां शैलपुत्री को अर्पित करने से आपके जीवन में हर इच्छा पूर्ण हो जाती है ऐसा माना जाता है नवरात्रि के प्रथम उपासना में साधक अपने को मूलाधार चक्र में स्थापित करते हैं और अनेक सिद्धियों को सिद्ध करने का बड़ा ही शुभ दिन माना गया। मां शैलपुत्री को भोग के रूप में घी से बनी वस्तुएं अत्यंत प्रिय है ऐसा माना जाता है कि घी से बने वस्तुओं को खासकर के गाय के घी व बादाम को मिलाकर के बने हलवे का भोग लगाने से मां अपने भक्तों पर विशेष कृपा करती है साथ ही साथ मां अपने भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करती है इनकी पूजा में गुड़हल का फूल व कनेर का फूल का बहुत ही विशेष महत्व है। कडा धाम में भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा जगह-जगह बैरिकेडिंग कराई गई थी ताकि दर्शन करने वाले श्रद्धालु भक्तों को कोई असुविधा का सामना न करना पड़े वही मंदिर प्रांगण में भी पुलिस प्रशासन श्रद्धालु भक्तों की सुविधा के लिए चप्पे चप्पे पर मौजूद रही। जिले के भरवारी पश्चिम शरीरा सराय अकिल, अजुहा, पूरामुफ्ती सहित नवरात्रि के प्रथम दिन भारी भीड़ को देखते हुए कड़ा धाम थाना अध्यक्ष महेश सिंह मय फोर्स समय-समय पर मेले का निरीक्षण करते रहे।

नारद का अभिमान तोड़ने के लिए भगवान विष्णु ने रची लीला

चायल,कौशाम्बी। विकास खंड नेवादा के नूरपुर हाजीपुर गांव में शनिवार को मुकुट पूजन के साथ पारंपरिक रामलीला का शुभारंभ हुआ। विधि-विधान से पूजन के बाद चित्रकूट से आए कलाकारों ने नारद मोह की लीला का मंचन किया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति देखकर दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। रामलीला मैदान में समिति के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुकुट पूजन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए, जिससे पूरा मैदान भक्तिमय हो गया। गांव में कई वर्षों से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। मंचन में दिखाया गया कि नारद मुनि को अपने तप और सौंदर्य पर अभिमान हो जाता है। उनका अभिमान तोड़ने के लिए भगवान विष्णु उन्हें बंदर का रूप दे देते हैं। इसके बाद नारद मुनि विश्वमोहिनी से विवाह करने के लिए राजा के दरबार में पहुंचते हैं। वहां अपने बंदर रूप को देखकर लोग हंसने लगते हैं। भगवान शिव के गणों से जब नारद मुनि को अपने वास्तविक रूप का पता चलता है तो वह क्रोधित हो जाते हैं। नारद मुनि भगवान विष्णु को पत्नी वियोग में भटकने का श्राप देते हैं और कहते हैं कि उस समय बंदर ही उनकी सहायता करेंगे। साथ ही शिवगणों को भी त्रेतायुग में राक्षस बनने का श्राप देते हैं। इस दौरान रामलीला कमेटी के उपाध्यक्ष अनिरुद्ध उपाध्याय, महामंत्री राजेंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष आत्माराम गुप्ता, निरंजन चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि श्याम बाबू राकेश कुमार समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

नवरात्र के पहले दिन संदीपन घाट गंगा तट पर उमड़ी भीड़



गंगा घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

चायल,कौशाम्बी। पवित्र नवरात्रि के पावन पर्व के प्रथम दिन रविवार को कोखराज थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध संदीपन घाट पर आस्था का महासागर देखने को मिला।शारदीय वासंतिक नवरात्रि के पहले दिन तड़के से ही गंगा तट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा नदी के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई और विधि विधान से पूजा-अर्चना की। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के पहले दिन गंगा तट पर भारी भीड़ उमड़ी। दूर-दराज के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद घाट के समीप स्थित मंदिरों में माथा टेककर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। हालांकि अपार जनसमूह और भारी भीड़ के कारण कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं को आवागमन में हल्की-फुल्की परेशानियों का सामना भी करना पड़ा लेकिन मां दुर्गा के प्रति उनकी आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गई। मेले और भारी भीड़ को देखते हुए कोखराज थाना पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। थाना प्रभारी संतोष शर्मा के नेतृत्व में घाट से लेकर मुख्य मार्गों तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चप्पे-चप्पे पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा जिससे असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस की इस मुस्तैदी और सक्रियता के कारण श्रद्धालुओं को आवागमन में काफी राहत मिली और लोग शांतिपूर्ण माहौल में पर्व का आनंद ले सके।

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को शक्तिपीठ कड़ा धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार रात १२ बजे से ही कौशाम्बी के अलावा जौनपुर, भदोही, गाजीपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर समेत पूर्वांचल के दर्जनों जनपदों और प्रदेश व देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु कड़ा धाम पहुंचने लगे। श्रद्धालु कुबरी घाट, कालेश्वर घाट और आसपास के स्थानों के साथ अपने पुरोहितों के यहां ठहरे और रात से ही माता का जाप व भजन-कीर्तन करते रहे। रविवार को भोर होते ही श्रद्धालुओं ने कुबरी और कालेश्वर घाट पर मां गंगा के पावन जल में स्नान किया। घाट पर पुरोहितों और जरूरतमंदों को अन्न-वस्त्र आदि का दान करने के बाद श्रद्धालु माता शीतला के दरबार की ओर जयकारा लगाते हुवे रवाना हुए। मंदिर के नीचे दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गर्भगृह में पहुंचकर माता शीतला के मनोहारी स्वरूप के दर्शन किए और माता को नारियल, चुनरी, अढ़हुल की माला, रोट-कड़ाही समेत विभिन्न प्रसाद चढ़ाकर मां से परिवार की सुख-समृद्धि व कुशलता की कामना की। कई श्रद्धालु गंगा घाट से जमीन पर लेटकर माता के दरबार तक पहुंचे। सैकड़ों की संख्या में धाम पहुंचे भक्तों ने अपने बच्चों की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर उनका मुंडन संस्कार भी कराया और माता के दरबार में झंडी-निशान चढ़ाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए धाम क्षेत्र में गंगा घाट, पार्किंग, मुख्य मार्ग, टेंपो स्टैंड, मां शीतला मंदिर और भैरवनाथ मंदिर तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। एंटी रोमियो टीम, एलआइन्यू और सादे वर्दी में जवान भी निगरानी करते रहे। गंगा घाटों पर जल पुलिस के साथ निजी गोताखोरों की तैनाती की गई। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह, सीओ सिराथू सत्येंद्र तिवारी, सीओ कौशाम्बी अरुण शुक्ल और सीओ यातायात भैया संतोष सिंह ने धाम क्षेत्र में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष आत्मप्रकाश पांडेय ने बताया कि प्रथम दिन करीब ५० हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने माता शीतला के दर्शन किए। इस दौरान गंगा घाटों पर आये हुए श्रद्धालुओ की सुरक्षा के लिए पुलिस के जवान पूरी मुश्तैदी से तैनात रहे,जिससे किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार से कोई समस्या नहीं होने पाये।